सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति अभिभावकों की जागरूकता का अध्ययन

डॉ. मनीष सैनी
सहायक आचार्य,
बियानी गर्ल्स बी.एड कॉलेज,
जयपुर

कनिका वशिष्ठ
बी.एड–एम.एड छात्रा
बियानी गर्ल्स बी.एड कॉलेज,
जयपुर

सारांश

भारत में दहेज प्रथा और गरीबी को कन्या भ्रूण हत्या का मुख्य कारण माना जाता है। यह भी व्यापक रूप से माना जाता है कि चूंकि पुरूष व्यापक कृषि श्रम एवं विनिर्माण कार्य करने में सक्षम है वह आम तौर पर परिवार की आय का मुख्य स्त्रोत होतें है। लोग स्पष्ट रूप से बालिकाओं के वित्तीय बोझ के रूप में देखते हैं। भारत सरकार लैंगिक असमानताओं को खत्म करने और लोगों के दृष्टिकोण को संशोधित करने के लिए अलग–अलग महिला कल्याण पहलुओं को लागू करती है। सुकन्या समृद्धि योजना उनमें से एक है जिसका उद्देश्य बालिकाओं के शिक्षा और विवाह के खर्चे को निधि देना है। सुकन्या समृद्धि योजना समाज के सभी समूहों को आसानी से विकसित कर सकती है। और बित्तीय समावेश के लक्ष्य में योगदान दे सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह योजना डाकघरों और कई बैंको में उपलब्ध है, जिसका लाभ समाज के शिक्षित और अशिक्षित दोनों ही वर्ग के लोगों को मिलता है, सुकन्या समृद्धि योजना वित्तीय समावेश के लिए एक राष्ट्रीय मिशन है, जो ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' या समावेशी विकास पर आधारित है जिसका उछदेश्य बैंकिंग, बचत, शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह और समानता जैसी वित्तीय सेवाओं तक सस्ती पहुँच सुनिशचित करना है। प्रस्तावित साहित्य अध्ययन सुकन्या समृद्धि योजना के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करने में सहायता करेगा।

कीवर्ड: *सुकन्या समृद्धि योजना, वित्तीय समावेशन, आर्थिक प्रभाव*

१. प्रस्तावना

केन्द्रीय सरकार द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं अभियान के तहत बेटियों के भविष्य को उज्जवल बनाने और उनकी पढ़ाई, उच्च शिक्षा एवं शादी आदि के खर्चों को वहन करने के लिए एक नई योजना शुरू की गई है। जिसका नाम ''सुकन्या समृद्धि योजना'' है। यह एक छोटी बचत योजना है। जिसके अन्तर्गत 10 वर्ष से कम आयु की बेटी के माता–पिता उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इस योजना के अन्तर्गत निवेश कर सकते हैं इस योजना में कम से कम 250 रूपये से ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रूपये निवेश किया जा सकता है। यह योजना केवल बेटियों के लिए ही बनाई गई है। जिसमें निवेश कर बेटी के भविष्य में होने वाले खर्चों की पूर्ति की जा सकेगी। इस योजना के अन्तर्गत 15 साल तक निवेश कर बेटी की शिक्षा एवं शादी आदि के खर्चों के लिए फण्ड एकत्रित किया जा सकता है। कोई भी माता–पिता अभिभावक कन्या के नाम पर खाता खोल सकते है। सुकन्या समृद्धि खाता किसी भी डाकघर में खुलवाया जा सकता है। इस खाते में वर्तमान में वार्षिक ब्याज दर 8.2 प्रतिशत है। सुकन्या समृद्धि योजना के अन्तर्गत डाकघर में खोले गए खातों को

देशभर से किसी भी डाकघर में खोले गए खातों को देशभर के किसी भी डाकघर में स्थानांतरित किया जा सकता है। इस योजना के अन्तर्गत यदि बेटी की उम्र 18 वर्ष होने पर 50% राशि निकलवा सकते है। इसके आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80D के अन्तर्गत आयकर में छूट का प्रावधान हैं।

२. संबन्धित साहित्य की समीक्षा

V.Venkatashelam, G.Ravindran (2016) ने पाया कि सुकन्या समृद्धि योजना का उद्देश्य काफी फायदेमंद है। और मिश्रित रूप से बालिकाओं के साथ–साथ उनके माता–पिता ओर अभिभावकों को भी बहुत अधिक वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करेगा।, सेल एस.एम ओर गोडबोले जे. ए(2021) ने पाया है कि सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोलने को प्रभावित करने वाले कारक साथ ही उत्तरदाताओं की धारणा ओर संतुष्टि का पता लगाया गया है। लिंग ओर बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं है।, उत्रीसा एस.(2020) ने निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश जमाकर्ता इस योजना की विशेषताओं से अत्याधिक संतुष्ट है। यह सभी लघु बचत योजनाओं की तुलना में अधिक ब्याज दर दे रही है। परिपक्वता पर राशि बालिकाओं को आर्थिक ब्याज दर दे रही है। परिपक्वता पर राशि बालिकाओं को आर्थिक रूप से मजबूर बनाएगी। चूंकि यह योजना विशेष रूप से बालिकाओं के लिए बनाई गई है। इसलिए लैंगिक असमानता को सुधारने में मदद मिलेगी। यह पाया गया है कि ग्राहक बैंकों की तुलना में डाकघरों को प्राथमिता दे रहे है।, राजकुमार ए. गुप्ता, S.D.Takkar (2023) ने पाया है सुकन्या समृद्धि योजना माता–पिता के लिए एक बेहतरीन बचत योजना है जो कि अपनी माता–पिता के लिए एक बेहतरीन बचत योजना है जो अपनी बालिकाओं का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं। अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत करने के इच्छुक माता पिता को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सुकन्या योजना में निवेश करने पर विचार करना चाहिए।, दास.एम(2018) एसएसवाई वेतन भोगी व्यक्तिओं के साथ–साथ उच्च आय वर्ग के लिए एक बहुत ही दिलचस्प निवेश योजना है।

३. समस्या का औचित्य

केंद्र सरकार दारा देश में बालिकाओं के शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए उज्जवल भविष्य व उनकी शादी पढाई के लिए योजना लाई गई है। बालिका देश की प्रगति में महत्वपुर्ण भुमिका रखती है। जो देश बालिकाओ पर पढ रही आर्थिक स्थिति पर सुधार नहीं कर सकता व आधुनिक युग की दोड से पीछे रहने के लिए बाध्य है इसलिए अभिवावको का अपनी बालिकाओं के लेकर जागरूक होना आवश्यक है अभिभावक का सुकन्या सम्रदि योजना के प्रति जागरूकता कितनी है यह जानना आवश्यक है।

४. अध्ययन का उद्देश्य

विद्यालय में सरकार दारा संचालित सुकन्या समदि योजना के प्रति अभिभावकों की जागरूकता का अध्ययन।

५. शोध पद्धति

यह अध्ययन वर्णात्मक और विश्लेणात्मक प्रकृति का है। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य की पूर्ति हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा एकत्र करने के लिए एक अच्छी तरह से संचालित प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। सुकन्या समृद्धि योजना से जुड़ी बालिकाएं था जो इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकती है। उनके अभिभावकों कि जागरूकता का अध्ययन किया।

जयपुर जिले के अलग–अलग विद्यालयों में छात्र बालिकाओं के 250 अभिभावकों को चुना गया। डेटा का विश्लेषण करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग कर प्रतिशत विधि का उपयोग किया गया। स्वनिर्मित प्रश्नावली में कुल 25 प्रश्न रखे गये है। जिन्हें आयामों के अनुसार वर्गीकरण किया गया।

क.स.	आयाम	प्रश्नों की संख्या
1	जागरूकता	5
2	महत्ता	5
3	कार्यप्रणाली	5
4	बदलाव के प्रति जागरूकता	5
5	दृष्टिकोण	5
	कुल	25

आयाम–1

अभिभावक	प्र.स	1	2	3	4	5
जागरूकता	प्राप्तांक	85	70	65	70	70

कुल प्राप्तांक– 360

आयाम–2

अभिभावक	प्र.स	1	2	3	4	5
जागरूकता	प्राप्तांक	65	75	55	72	55

कुल प्राप्तांक– 322

आयाम–3

अभिभावक	प्र.स	1	2	3	4	5
जागरूकता	प्राप्तांक	90	80	73	68	70

कुल प्राप्तांक– 381

आयाम–4

अभिभावक	प्र.स	1	2	3	4	5
जागरूकता	प्राप्तांक	55	70	85	59	71

कुल प्राप्तांक– 340

आयाम–5

अभिभावक	प्र.स	1	2	3	4	5
जागरूकता	प्राप्तांक	95	89	97	99	89

कुल प्राप्तांक– 469

६. परिणाम

सरकार द्वारा बनाई गई सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति अभिभावक की जागरूकता प्रथम आयाम के प्राप्तांक 72 प्रतिशत, दूसरे आयाम का प्राप्तांक 64.2 प्रतिशत, तृतीय आयाम का प्राप्तांक 76.2 प्रतिशत, चतुर्थ आयाम का प्राप्तांक 68 प्रतिशत पंचम आयाम का 93.8 प्रतिशत तथा आयामों के प्राप्ताकों का प्रतिशत 74.88 प्रतिशत अभिभावक इस योजना के प्रति जागरूक है।

७. निष्कर्ष

इस अध्ययन सुकन्या समृद्धि से जुडे अभिभावकों कि जागरूकता पर प्रभाव डाला है। भारतीय लडकियों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। SSY का भारत के शिक्षा क्षेत्र पर भी

सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे घरेलु वित्तीय साक्षरता बढ़ी है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय भाग्य के बारे में शिक्षित निर्णय लेने में मदद मिली है। अतः सुकन्या समृद्धि योजना का भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ा है। वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित किया है। बचत जुटाई है। और नामांकन दरों में वृद्धि ओर बेहतर वित्तीय साक्षरता के माध्यम से लडकियों को सशक्त बनाया है। इस योजना के प्रति बालिकाओं के अभिभावकों में जागरूकता पाई गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार होना व लिंग अंतर को कम करना है। इसके लिए समाज में जागरूकता लाना आवश्यक है। महिलाओं व बालिकाओं के प्रति व्यवहार विचारों को बदलना होगा। सरकार को बालिकाओं के लिंगानुपात कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करने के लिए SSY जैसी योजनाओं का समर्पण और प्रचार करना जारी रखना चाहिए।

सन्दर्भसूची

१. गुड, चार्टर वी. (1993) ''अनुसंधान परिचय'', आगरा, चावला एण्ड संस।
२. धवन और नितेश (2006): ''सर्व शिक्षा अभियान एक अध्ययन'', मध्यप्रदेश।
३. कपिल, एच. के (2012) : सांख्यिकी के मूल तत्व'', आगरा, एच.पी. भार्गव बुक हाऊस।
४. मंगल, एस. के (2008) : 'शैक्षिक अनुसंधान एवं विधियाँ'', नई दिल्ली, प्रिंटिग हॉल ऑफ इण्डिया।
५. राय, नवरंग व रोशन लाल: ''सामान्य जागरूकता व सामान्य अध्ययन'', राय पब्लिकेशन्स।
६. शर्मा, आर. ए. (2000) : ''शिक्षा अनुसंधान'', मेरठ, आर, लाल बुक डिपो।
७. https://www.mygov.in/hindi/girlseducation.html
८. https://rajasthanstudy.blogspot.com/2018
९. https://google.com
१०. hi.nhp.gov.in/internationalwomenday.pg.
११. https://wwwrajasthantruth.com/rajasthan_school